VALUE 360 COMMUNICATIONAS
NEWS WATCH

Nav Bharat Times

Date: 17/07/2009
Edition: Noida

Page: 02
Language: Hindi

आईआईएम की डीन ने उठाए किताबी ज्ञान पर सवाल

नगर संवाददाता || आईआईएम कैंपस

उद्योग-धंधों की जरूरतों और बिजनेस कॉलेजों में पढ़ाए जा रहे किताबी ज्ञान के बीच गैप दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। दोनों क्षेत्रों में बढ़ रही दूरी का दुष्परिणाम एमबीए स्टूडेंट्स को नौकरियां छिटकने के रूप में भुगतना पड़ रहा है। हालत यह है कि मार्केट में नौकरियां खूब हैं, लेकिन योग्य कैंडिडेट्स नहीं हैं। जो कैंडिडेट्स एमबीए डिग्री लेकर घूम भी रहे हैं, उन्हें कंपनियों की वास्तविक जरूरतों के बारे में जानकारी नहीं है। जिसकी वजह से कंपनियां उन्हें चाहकर भी अपॉइंट नहीं कर सकती।

आईआईएम लखनऊ की नोएडा कैंपस की डीन प्रोफेसर पूनम सहगल ने एक सेमिनार में अपने विचार व्यक्त किए। वह आईआईएम लखनऊ के पास आउट स्टूडेंट्स और प्रोफेसर्स की गठित संस्था एलिमेंट्स एकेडमिया की ओर से कैंपस में आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट सेक्टर ऐसे फ्रेश एमबीए स्टूडेंट्स की डिमांड करता है। जिनके पास टीम वर्क, इफेक्टिव कम्यूनिकेशन, स्ट्रेस मैनेजमेंट और ग्रूमिंग आदि जैसी स्किल्स हों। विपरीत हालात आने पर जो अपनी कंपनी और टीम का प्रभावी नेतृत्व कर सके। मैनेजमेंट कॉलेजों को इन खामियों पर अपना ध्यान फोकस करते हुए इनमें सुधार करना चाहिए।

फिक्की की जॉइंट डायरेक्टर शोभा मिश्रा ने कहा कि मल्टिनैशनल कंपनियों में जॉब पाने के लिए एमबीए स्टूडेंट्स को अपनी इंग्लिश और पर्सनैलिटी को इंप्रूव करना होगा। यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर के पूर्व वाइस चांसलर प्रफेसर खुर्शीद अली ने कहा कि कॉम्पिटीशन भरे माहौल में जॉब पाने के लिए स्टूडेंट्स को अपने आपको सामयिक घटनाओं के प्रति अपडेट करना होगा।